महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे ०४

शासन निर्णय क्र.संकीर्ण२०१९/प्र.क्र.(२४३/१९)/एस.डी.४,

दिनांक ८ ऑगस्ट,२०१९ नुसार

इयता १०वी –हिंदी

(व्दितीय भाषा)

सुधारित मूल्यमापन आराखडा

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे – ४११ ००४

विषय – हिंदी द्वितीय भाषा (संपूर्ण) लोकभारती

कक्षा – नौवीं / दसवीं

कार्य – घटकनिहाय अंक विभाजन कृतिपत्रिका का प्रारूप (आराखडा)

घटकनिहाय अंक विभाजन

लोकभारती अंक विभाजन			**विकल्प अंक**
विभाग	घटक	अंक	
1	गद्य	20	
2	पद्य	12	
3	पूरक पठन	08	
4	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	14	06
5	रचना विभाग (उपयोजित लेखन)	26	24
	कुल अंक	**80**	**30**

समय : 3 घंटे **कुल अंक : 80**

विभाग 1 - गद्य : 20 अंक

प्र. 1 (अ) पठित गद्यांश (**130** से **150** शब्द) **8** अंक

प्र. 1 (आ) पठित गद्यांश (**130** से **150** शब्द) **8** अंक

(1) आकलन कृति (**2** घटक, प्रत्येक के लिए **1** अंक **अथवा** **2**
4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक)

(2) आकलन कृति (**2** घटक, प्रत्येक के लिए **1** अंक **अथवा** **2**
4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक)

(3) शब्दसंपदा (4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) 2
(शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म,समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग,प्रत्यय,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग,वचन,कृदंत,तद्धित,तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)

(4) अभिव्यक्ति (25 से 30 शब्दों में) 2

प्र. 1 (इ) अपठित गद्यांश (80 से 100 शब्द) 4 अंक

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक **अथवा** 2
4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक)

(2) अभिव्यक्ति (25 से 30 शब्दों में) 2

विभाग 2 - पद्य : 12 अंक

सूचना – एक मध्ययुगीन और एक आधुनिक रचना का चयन आवश्यक है ।

प्र. 2 (अ) पठित पद्यांश (8 से 10 पंक्तियाँ) 6 अंक

प्र. 2 (आ) पठित पद्यांश (8 से 10 पंक्तियाँ) 6 अंक

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक **अथवा** 2
4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक)

(2) शब्दसंपदा (4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) 2
(शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म,समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग,प्रत्यय,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग,वचन,कृदंत,तद्धित,तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)

(3) सरल अर्थ (25 से 30 शब्दों में) 2

विभाग 3 - पूरक पठन : 8 अंक

प्र. 3 (अ) पठित गद्यांश (80 से 100 शब्द) 4 अंक

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक **अथवा** 2
4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक)

(2) अभिव्यक्ति (25 से 30 शब्दों में) 2

प्र. 3 (आ) पठित पद्यांश (6 से 8 पंक्तियाँ) — 4 अंक

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक **अथवा** 4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 2

(2) अभिव्यक्ति (25 से 30 शब्दों में) — 2

विभाग 4 - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र. 4 सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : — 14 अंक

(1) शब्दभेद - संज्ञा, सर्वनाम,विशेषण पहचानना (१ घटक, १ अंक) — 1

(2) दो अव्यय शब्दों में से किसी एक शब्द का वाक्य में प्रयोग करना (1 घटक, 1 अंक) — 1

(3) संधि (दो में से कोई एक पहचानना,विच्छेद करना,संधि शब्द बनाना) (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(4) दो में से कोई एक सहायक क्रिया पहचानना तथा उसका मूल रुप लिखना (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(5) दो में से किसी एक प्रेरणार्थक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय रुप लिखना (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(6) मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना — 1

(7) कारक - पहचानना और भेद लिखना (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(8) विरामचिह्न - वाक्य में प्रयोग (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(9) तीन में से दो वाक्यों का काल परिवर्तन (2 घटक, 1 अंक प्रत्येक के लिए) — 2

(10) वाक्य के भेद — 2
i) रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना
ii) अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना

(11) वाक्य शुद्ध करना (4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक, दो वाक्य, प्रत्येक वाक्य में दो अशुद्धियाँ) — 2

विभाग 5 - रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

प्र. 5 सूचनाओं के अनुसार लिखिए ... 26 अंक अंक

(अ)(1) पत्रलेखन (औपचारिक/अनौपचारिक (दो में से एक)(विकल्प अंक :5) 5

(2) गद्य आकलन (100 से 120 शब्द) (अपठित गद्यांश पर आधारित 4 प्रश्न तैयार करना) 4

प्र. 5 (आ)(1)वृत्तांत लेखन (70 से 80 शब्दों में) 5

अथवा

कहानी लेखन (मुद्दों के आधार पर) (70 से 80 शब्दों में) (विकल्प अंक :5)

(2)विज्ञापन लेखन (50 से 60 शब्दों में) 5

प्र. 5 (इ) निबंध लेखन (तीन में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में) 7

(विकल्प अंक 14)

(पाँच प्रकारों में से तीन प्रकार के विषय देने हैं । विद्यार्थियों को उनमें से किसी एक विषय पर निबंध लिखना है ।)

(आवश्यकता नुसार प्रारुप में परिवर्तन करने का अधिकार महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल का रहेगा ।)

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

विषय – हिंदी प्रथम/द्वितीय भाषा (कुमारभारती/लोकभारती)

कक्षा – नौवीं एवं दसवीं

लिखित व मौखिकी मूल्यमापन योजना

प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र
लेखी परीक्षा – 80 अंक अंतर्गत मूल्यमापन – 20 अंक	लेखी परीक्षा – 80 अंक अंतर्गत मूल्यमापन – 20अंक
अ)स्वाध्याय 5-5 अंकों के 2 कुल अंक 10	अ)स्वाध्याय 5-5 अंकों के 2 कुल अंक 10
ब) मौखिक परीक्षा 1) श्रवण कौशल – 5 अंक 2) भाषण कौशल – 5 अंक	ब) मौखिक परीक्षा 1) श्रवण कौशल – 5 अंक 2) भाषण कौशल – 5 अंक

अ) स्वाध्याय –

* **प्रथम सत्र** – 2 स्वाध्याय 10 अंक, प्रत्येक के लिए 5 अंक

* **द्वितीय सत्र** – 2 स्वाध्याय 10 अंक, प्रत्येक के लिए 5 अंक

सूचनाएँ – * चारो स्वाध्याय पाठयपुस्तक में अंतर्निहित गद्य, पद्य,भाषा अध्ययन (व्याकरण), उपयोजित लेखन (रचना विभाग) इन विभागों पर आधारित हो ।

* दो विभाग प्रथम सत्र में तथा दो विभाग द्वितीय सत्र में लेना अपेक्षित है ।

* विद्यार्थियों के लिखित स्वाध्याय विद्यालय द्वारा प्रमाणित किए हुए स्वतंत्र 'फुलस्केप ' कागज पर लेना अनिवार्य है ।

* विद्यार्थियों के लिखित स्वाध्याय एवं अंकदान सूची शालेय स्तर पर सुरक्षित रखना अनिवार्य है ।

ब) मौखिक परीक्षा

1. **श्रवणकौशल (निम्नलिखित में से केवल एक)** 5 **अंक**

I) *** गद्यांश सुनकर उसपर आधारित पूछे गए पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना ।**

II) *** दिए गए विषय पर विचार प्रकट करना ।**

सूचनाएँ –

1) * पाठयपुस्तक में 'संभाषणीय' 'मौलिक सृजन' और 'अभिव्यक्ति' के अंतर्गत दिए गए विषयों का आधार लिया जाएँ या । पाठयपुस्तक के अलावा अन्य विषय लेना चाहते हो तो वे विषय विद्यार्थियों के अनुभव विश्व से संबंधित हो ।

2) * विषय पहले से ही दें । ऐन समय पर न दें ।

III) *** पाठयपुस्तक के पाठ अथवा कविता पर आठ से दस वाक्यों में अपने विचार प्रकट करना ।**

सूचनाएँ –

1) इस कौशल का मूल्यांकन करते समय निम्न मुद्दों पर गौर करें ।

- पाठ/कविता का नाम, रचनाकार का नाम, विधा, संक्षेप में आशय, पसंद आने वाली पंक्तियाँ और उसका कारण बताना अपेक्षित है ।
- विद्यार्थी का उच्चारण, आत्मविश्वास, प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति और मुद्दोंसहित विश्लेषण अपेक्षित है ।

महत्त्वपूर्ण –

1) श्रवण कौशल की उत्तर पत्रिकाएँ एकत्रित करके संजोकर रखें ।

2) संभाषण कौशल – पढी हुई पुस्तक के बारे में विद्यार्थी के स्वमत संबंधी एक-दो वाक्यों में परीक्षक की टिप्पणी आवश्यक है ।

3) श्रवण कौशल के लिए प्रयुक्त किया जानेवाला गद्यांश/पद्यांश आशय किसी भी व्यक्ति, समाज,ऐतिहासिक व्यक्ति, जाति, धर्म, पंथ, वर्ण, लिंग, राजनैतिक आदि के संबंध में आक्षेपार्ह न हो । किसी की भावनाओं को क्षति पहुँचानेवाला आशय न चुना जाए ।

4) ' रिक्त स्थानों की पूर्ति ' के अलावा अन्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रकारों का प्रयोग करें ।

5) कक्षा नौवीं के लिए दोनों सत्र परीक्षाओं के तथा कक्षा दसवीं की माध्यमिक शालांत परीक्षा के अंतर्गत मूल्यमापन की पूर्ण सामग्री सँभालकर रखें ।

iii) गद्यांश का चयन करते समय ध्यान में रखे कि उस पर तीन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की निर्मिति हो सके । (एक शब्द में, एक वाक्य में उत्तर । प्रश्न आकलन आधारित हो ।)

iv) विद्यार्थियों की अवधान कक्षा को ध्यान में रखते हुए गद्यांश का चयन करे ।

v) विद्यार्थियों के बीस-बीस के गुट बनाएँ ।

vi) प्रत्येक गुट के लिए अलग गद्यांश दिया जाएँ ।

vii) ध्यान रहे कि चुने गए गद्यांश, पूछे गए प्रश्न, नमुना उत्तरपत्र एवं विद्यार्थियों के उत्तर पत्र शालेय स्तर पर संभालकर रखने है ।

II) **दो वाक्य अथवा 6 शब्द सुनकर लिखना ।**

सूचनाएँ – * वाक्य अथवा शब्द पाठयपुस्तक से ही लेने है ।

* चयनित वाक्यों या शब्दों में संयुक्ताक्षर, अनुस्वारयुक्त शब्द , अनुनासिक शब्द एवं विरामचिह्न आदि का होना आवश्यक है ।

3) * कविता सुनकर उसपर आधारित कम से कम तीन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना ।

सूचनाएँ – i) चयनित पद्यांश पाठयपुस्तक से ही हो ।

ii) विद्यार्थियों की अवधान कक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसा पद्यांश चुने जिस पर तीन प्रश्नों की निर्मिति हो सकें ।

iii) प्रत्येक गुट के लिए अलग-अलग पद्यांश हो ।

4) ऑडिओक्लिप सुनकर उसपर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना (तीन प्रश्न)

सूचना – * ऑडिओक्लिप पाठयपुस्तक से संबंधित 2/3 मिनट की हो ।

2) **भाषण कौशल (निम्नलिखित में से केवल एक) (2 अंक)**

I) **पढ़ी हुई किसी रचनाकार की कृति के संदर्भ में स्वमत प्रकट करना ।**

सूचनाएँ –

इस कौशल का मूल्यांकन करते समय निम्न मुद्दों पर गौर करें –

i) पुस्तक का नाम, रचनाकार, संक्षेप में आशय, पुस्तक पसंद आने के कारण ।

ii) स्वमत बताते समय विद्यार्थी का उच्चारण, प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास आदि के आधार पर अंकदान किए जाएँ ।

II) **दिए गए विषय पर विचार प्रकट करना ।**